शुभ समाचार

परमेश्वर का प्रेम

परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना
एकलौता
पुत्र दे दिया कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह
नाश न हो परन्तु
अनन्त
जीवन पाये

यूहन्ना ३:१६

"परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा"। (रोमियों ५:८)

"प्रेम इसमें नहीं, कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया; पर इसमें है कि उसने हमसे प्रेम किया, और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिये अपने पुत्र को भेजा" (१ यूहन्ना ४-१०)

"जो प्रेम परमेश्वर हमसे रखता है, वह इससे प्रगट हुआ, कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है, कि हम उसके द्वारा जीवन पाएं," (१ यूहन्ना ४-९)

"प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कितने लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और चाहता, कि कोई नाश हो; वरन यह कि सबको मनफिराव का अवसर मिले"। (२ पतरस ३-९)

"परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा, कि जगत पर दंड की आज्ञा दे परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए"। (यूहन्ना ३-१७)

दोषी ठहराया गया या नहीं

"जो उसपर विश्वास करता है उसपर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता वह दोषी ठहर चुका इसलिये कि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया"। (यूहन्ना ३-१८)

"और दंड की आज्ञा का कारण यह है, कि ज्योति जगत में आई है और मनुष्यों ने अन्धकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे"। (यूहन्ना ३-१९)

शुभ समाचार

परमेश्वर का प्रेम

परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना
एकलौता
पुत्र दे दिया कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह
नाश न हो परन्तु
अनन्त
जीवन पाये

यूहन्ना ३:१६

"परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा"। (रोमियों ५:८)

"प्रेम इसमें नहीं, कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया; पर इसमें है कि उसने हमसे प्रेम किया, और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिये अपने पुत्र को भेजा" (१ यूहन्ना ४-१०)

"जो प्रेम परमेश्वर हमसे रखता है, वह इससे प्रगट हुआ, कि परमेश्वर ने अपने एकलौते पुत्र को जगत में भेजा है, कि हम उसके द्वारा जीवन पाएं," (१ यूहन्ना ४-९)

"प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कितने लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और चाहता, कि कोई नाश हो; वरन यह कि सबको मनफिराव का अवसर मिले"। (२ पतरस ३-९)

"परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा, कि जगत पर दंड की आज्ञा दे परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए"। (यूहन्ना ३-१७)

दोषी ठहराया गया या नहीं

"जो उसपर विश्वास करता है उसपर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु जो उस पर विश्वास नहीं करता वह दोषी ठहर चुका इसलिये कि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया"। (यूहन्ना ३-१८)

"और दंड की आज्ञा का कारण यह है, कि ज्योति जगत में आई है और मनुष्यों ने अन्धकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे"। (यूहन्ना ३-१९)

परमेश्वर का क्रोध

यीशु मसीह न्याय करने को आने वाला है। "और तुम्हें जो क्लेश पाते हो हमारे साथ चैन दे उस समय जबकि प्रभु यीशु मसीह अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते और हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को नहीं मानते उनसे पलटा लेगा"। (२ थिस्सलुनीकियों १-७,८)

अनन्त दन्ड

"वे प्रभु के सामने से और उसकी शक्ति के तेज से दूर होकर अनन्त विनाश का दंड पाएंगे" (२ थिस्स. १-९)

"यह उस दिन होगा जब वह अपने पवित्र लोगों से महिमा पाने और सब विश्वास करने वालों में आश्चर्य का कारण होने को आएगा क्योंकि तुमने हमारी गवाही की प्रतीति की"। (२ थिस. १-१९)

मृत्यु के पश्चात् न्याय होगा

"और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उसकी बाट जोहते हैं उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा"। (इब्रा. ९:२७, २८)

प्रिय-पाठक: यह परचा इसलिये छापा गया है ताकि तुम विश्वास करो, परमेश्वर तुम्हें प्रेम करता है और अपने पुत्र यीशु को तुम्हारे बदले में मरने भेजा।

संसार के प्रत्येक व्यक्ति के उद्धार के लिये प्रभु यीशु मसीह का रक्त जो क्रूस पर बहाया गया मुक्ति के लिये चुकाया गया है, परन्तु तुम अपने पापों को परमेश्वर के सामने स्वीकार नहीं करोगे और मान नहीं लोगे कि तुम दोषी एवं पापी हो।

तुम किसी प्रकार मुक्ति नहीं कमा सकते यह परमेश्वर की ओर से एक वरदान है, अब तुम प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धार कर्त्ता मान लो।

"और विश्वास बिना उस परमेश्वर को प्रसन्न करना अनहोना है क्योंकि परमेश्वर के पास आने वाले को विश्वास करना चाहिये कि वह है और अपने खोजने वाले को प्रतिफल देता है"। (इब्रा. ११:६)

"देखो अभी वह प्रसन्नता का समय है

देखो अभी वह उद्धार का दिन है" (२ कुर. ६:२)

ज्योति प्रेस, जबलपुर
HINDI-GOOD NEWS

परमेश्वर का क्रोध

यीशु मसीह न्याय करने को आने वाला है। "और तुम्हें जो क्लेश पाते हो हमारे साथ चैन दे उस समय जबकि प्रभु यीशु मसीह अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते और हमारे प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को नहीं मानते उनसे पलटा लेगा"। (२ थिस्सलुनीकियों १-७,८)

अनन्त दन्ड

"वे प्रभु के सामने से और उसकी शक्ति के तेज से दूर होकर अनन्त विनाश का दंड पाएंगे" (२ थिस्स. १-९)

"यह उस दिन होगा जब वह अपने पवित्र लोगों से महिमा पाने और सब विश्वास करने वालों में आश्चर्य का कारण होने को आएगा क्योंकि तुमने हमारी गवाही की प्रतीति की"। (२ थिस. १-१९)

मृत्यु के पश्चात् न्याय होगा

"और जैसे मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। वैसे ही मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ और जो लोग उसकी बाट जोहते हैं उनके उद्धार के लिये दूसरी बार बिना पाप के दिखाई देगा"। (इब्रा. ९:२७, २८)

प्रिय-पाठक: यह परचा इसलिये छापा गया है ताकि तुम विश्वास करो, परमेश्वर तुम्हें प्रेम करता है और अपने पुत्र यीशु को तुम्हारे बदले में मरने भेजा।

संसार के प्रत्येक व्यक्ति के उद्धार के लिये प्रभु यीशु मसीह का रक्त जो क्रूस पर बहाया गया मुक्ति के लिये चुकाया गया है, परन्तु तुम अपने पापों को परमेश्वर के सामने स्वीकार नहीं करोगे और मान नहीं लोगे कि तुम दोषी एवं पापी हो।

तुम किसी प्रकार मुक्ति नहीं कमा सकते यह परमेश्वर की ओर से एक वरदान है, अब तुम प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धार कर्त्ता मान लो।

"और विश्वास बिना उस परमेश्वर को प्रसन्न करना अनहोना है क्योंकि परमेश्वर के पास आने वाले को विश्वास करना चाहिये कि वह है और अपने खोजने वाले को प्रतिफल देता है"। (इब्रा. ११:६)

"देखो अभी वह प्रसन्नता का समय है

देखो अभी वह उद्धार का दिन है" (२ कुर. ६:२)

ज्योति प्रेस, जबलपुर
HINDI-GOOD NEWS